

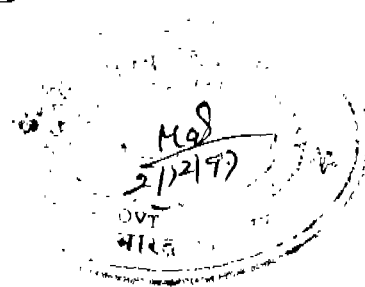


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 201]
No. 201]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 11, 1997/आश्विन 19, 1919
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1997/ASVINA 19, 1919

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1997

सं. आर. 30027/11/97ओ आर-2.—14 सितम्बर, 1997 की सुबह एमबी नंगा पर्वत नामक एल पी जी के टैंकर से हिन्दुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड की विशाख रिफाइनरी के स्फियरों में एल पी जी उतारते समय एल पी जी के वाष्प का एक बादल बन गया और प्रातः लगभग 6.40 बजे उसका विस्फोट हो गया। विस्फोट के फलस्वरूप एच पी सी एल की रिफाइनरी के 5 स्फियर और 3 टैंकों (2 जे.जी.ओ. तथा 1 एस.के.ओ.) और लिक्विड गैस विपणन टर्मिनल के 11 टैंकों में आग लग गई। इस दुर्घटना के कारण करीब 80 करोड़ रुपये की वित्तीय क्षति के अतिरिक्त 57 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और 10 व्यक्ति घायल हो गए।

2. अतः भारत सरकार ने जांच आयोग अधिनियम, 1952 की धारा 3 के अधीन एक आयोग गठित करने का विनिश्चय किया है जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

अध्यक्ष

न्यायमूर्ति कृष्ण चन्द्र अग्रवाल (सेवानिवृत्त)

सदस्य

1. श्री टी. एस. आर. प्रसाद राव, निदेशक, आई. आई. पी., देहरादून।
2. श्री के. रविकुमार, कार्यकारी निदेशक, उच्च प्रौद्योगिकी केन्द्र,

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली।

2570 GI/97

(1)

3. इस आयोग को सौंपे गए कार्य निम्न प्रकार से होंगे :—

- (क) उन घटनाक्रमों का अवधारण करना जिनके कारण 14-9-97 को विशाख रिफाइनरी में आग लगी और यह यदि उसमें कहीं गलती हुई हो तो उसे उपदर्शित करना।
- (ख) विशाख रिफाइनरी में अग्निशमन सुविधाओं के लिए अग्नि सुरक्षा प्रणाली की पर्याप्तता की जांच करना।
- (ग) यह सुझाव देना कि क्या अग्नि सुरक्षा प्रणाली के रखरखाव में रिफाइनरी के प्रबंध-मंडल और कर्मचारियों की ओर से कोई उपेक्षा या असावधानी हुई है।
- (घ) बिन्दु (ग) से उत्पन्न आगे की कार्रवाई यदि कोई की जा सकती हो।
- (ङ) साधारण रूप से किसी ऐसे अन्य मामले को रिपोर्ट करना जो आयोग की राय में सुसंगत हो।

4. यदि आयोग अनिवार्य समझे और उसकी वांछा करे तो विशेषज्ञ परामर्शियों द्वारा सहायता दी जाएगी।

5. आयोग अपनी प्रक्रिया स्वयं तैयार करेगा। वह ऐसा जानकारी मांग सकेगा और ऐसा साक्ष्य ले सकेगा जो वह आवश्यक समझे। भारत सरकार के मंत्रालय/विभाग आयोग द्वारा अपेक्षित जानकारी और सहायता उपलब्ध कराएंगे। भारत सरकार का ऐसा विश्वास है कि आन्ध्र प्रदेश सरकार और अन्य सभी सम्बन्धित पक्ष आयोग को अपना पूर्ण सहयोग और सहायता उपलब्ध कराएंगे।

6. आयोग अपनी रिपोर्ट तीन मास के भीतर प्रस्तुत करेगा।

7. आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

निर्मल सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

RESOLUTION

New Delhi, the 11th October, 1997

No. R-30027/11/97-OR.II.—On the early hours of 14th September, 1997, while unloading LPG from LPG tanker MY Nanga Parbat to HPCL's Visakh Refinery spheres, an LPG vapour cloud formed which exploded around 6.40 A.M. Due to explosion, five spheres and three tanks (2 JBO and 1 SKO) in the Refinery and 11 tanks in the Visakhapatnam Marketing Terminal of HPCL caught fire. The accident resulted in the death of 57 persons and injuries to 10 persons, besides financial loss of about 80 crores.

2. The Government of India have, therefore, decided to set up Commission under Section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 consisting of the following :

CHAIRMAN :

Justice Krishna Chandra Agarwal (Retd.)

MEMBERS :

- 1. Dr. T.S.R. Prasada Rao, Director, Indian Institute of Petroleum, Dehradun.
- 2. Shri K. Ravikumar, Executive Director, Centre for High Technology, Ministry of Petroleum & Natural Gas, New Delhi.
- 3. The terms of reference of the Commission will be as follows :—
 - (a) To determine the sequence of events which cause the fire at Visakh Refinery on 14-9-1997 and indicate if there were any lapses.

- (b) To examine the adequacy of the fire safety system for fire fighting facilities in Visakh Refinery.
- (c) To advise whether there has been any negligence or carelessness on the part of the Refinery Management and Staff in maintaining the fire safety systems.
- (d) Arising out of point (c) further action, if any, that may be taken.
- (e) Generally, to report on any other matter that is relevant in the opinion of the Commission.

4. The Commission will be assisted by Special Consultants, wherever necessary and desired by it.

5. The Commission will devise its own procedures. It may call for such information and take such evidence, as it may consider necessary. The Ministries/Departments of Government of India will furnish such information and render such assistance, as may be required by the Commission. The Government of India trust that the Government of Andhra Pradesh and all other concerned will extend their fullest cooperation and assistance to the Commission.

6. The Commission will submit its Report within a period of three months.

7. The Headquarter of the Commission shall be at New Delhi.

NIRMAL SINGH, Jt. Secy.

